तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 19.0 डिग्री

हरिभूमि

कांकेर भूमि

रायपुर, बुधवार 21 अक्टूबर 2026

भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

08 मिट्टी मिली रेत-गिट्टी से बन रही थी पुलिया...



10 आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुंची ...



खबर संक्षेप



पुलिस बल को एएसपी ने किया ब्रीफ रवाना

कांकेर। रावण दहन एवं दुर्गा विसर्जन कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कांकेर पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 20 अक्टूबर को एएसपी योगेश साहू ने तैनात किए जाने वाले सभी पुलिस बलों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए ब्रीफिंग की। इसके बाद पुलिस जवानों को विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए रवाना किया गया। इस दौरान भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और शांति बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

तेज रफ्तार कार दुकान में घुसी, दो लोग बाल-बाल बचे



पखांजूर। पखांजूर से बांदे मार्ग पर पीव्ही 79 में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर एक दुकान में जा घुसी। हादसा इतना जोरदार था कि दुकान के सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं कार का अगला हिस्सा भी बुरी तरह टूट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के वक्त कार में दो लोग सवार थे, जो बाल-बाल बच गए। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई।

भुसकी में गांव के होनहारों का आज होगा सम्मान

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोंदल के ग्राम भुसकी में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और बुजुर्गों के सम्मान के उद्देश्य से 21 अक्टूबर को रात 8 बजे गांव गौरव सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सरपंच मुकेश गावड़े ने बताया कि कार्यक्रम में गांव के प्रतिभागियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। बोर्ड परीक्षाओं में ▶▶| शेष पेज 08 पर

राम-रावण के युद्ध का जीवंत मंचन और आतिशबाजी के बीच हुआ रावण दहन

असत्य पर सत्य की जीत के साथ हुआ रावण, मेघनाथ व कुम्भकरण का दहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

बुराई कितनी भी बड़ी और शक्तिशाली क्यों न हो, उसका अंत निश्चित है और सत्य के मार्ग पर चलने वालों की विजय होकर रहती है। इसी संदेश के साथ मंगलवार 20 अक्टूबर को कांकेर के नरहरदेव मैदान में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विधायक आशाराम नेताम भी कार्यक्रम में शामिल हुए और रावण दहन किया। हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने इस ऐतिहासिक प्रसंग के साक्षी बनकर बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव मनाया।

- विधायक आशाराम नेताम कार्यक्रम में हुए शामिल

शहर के नरहरदेव मैदान में 20 अक्टूबर को आयोजित मुख्य दशहरा समारोह में शाम 6 बजे से धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हुआ। विकासखंड नरहरपुर के ग्राम चंवाड़ से आए लोक कलाकारों ने राम-रावण युद्ध प्रसंग का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया। कलाकारों की टोली में भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के साथ हनुमान, जामवंत सहित वानर सेना तथा दूसरी ओर रावण, मेघनाथ, कुंभकरण और राक्षस सेना के पात्र शामिल थे। नगर भ्रमण के बाद कलाकार नरहरदेव मैदान पहुंचे, जहां उनके अभिनय और प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। राम-रावण युद्ध के सजीव मंचन, जय श्रीराम के जयकारों और भव्य आतिशबाजी के बीच रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया गया।





विधायक ने धर्म के मार्ग पर चलने का दिया संदेश

कार्यक्रम में विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि विजयादशमी सत्य की असत्य पर और धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम ने इसी दिन रावण का वध कर अधर्म का अंत किया था, वहीं मां दुर्गा ने महिषासुर पर विजय प्राप्त की थी। यह पर्व सिखाता है कि जीवन में धैर्य, साहस और धर्म के मार्ग पर चलते हुए हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज विजयादशमी का संदेश समाज में व्याप्त कुरीतियों, अन्याय और अज्ञान को समाप्त करने के लिए प्रेरित करता है। सभी को अपने घर, गांव और समाज में सत्य, अहिंसा, भाईचारे और सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने जिलेवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व समाज और राष्ट्र की एकता व अखंडता को मजबूत करने के साथ सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आए।

इलेक्ट्रॉनिक तीर से हुआ रावण के पुतले का दहन

राम-रावण युद्ध के मंचन के बाद विधि-विधान से रावण का पूजन किया गया। इसके बाद सबसे पहले मेघनाथ और फिर कुंभकरण के पुतलों का दहन किया गया। अंत में लगभग 50 मीटर की दूरी से इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के माध्यम से रावण की नाभि पर तीर चलाया गया। तीर लगते ही रावण का पुतला धू-धूकर जल उठा। इसके साथ ही मैदान में भव्य आतिशबाजी हुई और पूरा परिसर जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में शहर के साथ आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे और मैदान में बेरिकेडिंग की व्यवस्था की गई थी।

अहंकार बना रावण के पतन का कारण

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रावण प्रकांड विद्वान, तपस्वी और अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञाता था, लेकिन उसका अहंकार और अधर्म उसके विनाश का कारण बना। भगवान श्रीराम के हाथों रावण के वध को बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है। इसी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हर वर्ष विजयादशमी पर रावण दहन की परंपरा निभाई जाती है।

दुकान में बुलाकर युवक से मारपीट, लोहे की रॉड से हमला कर रस्सी से बांधने की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

कांकेर में दुकान पर बुलाकर एक युवक के साथ मारपीट करने और उसे रस्सी से बांधकर पहली मंजिल पर रखने का गंभीर मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए विवेचना शुरू कर दी है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी आयुष श्रीवास्तव के साथ मारपीट का आरोप मांझापारा स्थित अशोक ग्लासेस के संचालक मनीष सेवानी और दुकान में काम करने वाले अमन नामक युवक पर लगाया गया है। शिकायत के अनुसार, लोहे की रॉड से हमला किए जाने के कारण आयुष के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि सीने और दोनों पैरों में भी चोटें लगी हैं। मामले में आयुष के भाई निर्भय श्रीवास्तव ने कांकेर थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।कांकेर थाना में शिकायत करने पहुँचे कोड़ेजुंगा निवासी निर्भय श्रीवास्तव ने पुलिस को बताया 19 अक्टूबर को दोपहर करीब सवा 12 बजे मेरे भाई आयुष के मोबाइल पर दुकान मालिक मनीष सेवानी का फोन आया।



पुलिस से कार्रवाई की मांग

घटना के संबंध में शिकायतकर्ता ने थाना प्रभारी कांकेर को लिखित आवेदन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ धारा 115 (2), 296, 351 (3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज करते हुए विवेचना में लिया गया।

उसने मेरे भाई को अपनी दुकान मांझापारा कांकेर आने के लिए कहा। मेरे भाई के दुकान पहुंचने के कुछ समय बाद दुकान मालिक ने उनके घर फोन कर बताया कि उसने आयुष के साथ मारपीट किया है। इसके बाद मेरे पिता ने मुझे फोन कर घटना की जानकारी दी और मैं अस्पताल जाकर भाई को देखने गया। मेरा भाई घायल अवस्था में मिला। उसके सिर पर गंभीर चोट थी तथा दोनों पैरों और सीने में भी चोटें आई थीं। पूछताछ में मेरे भाई ने बताया कि मनीष सेवानी और दुकान में काम करने वाले अमन ने उसके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि दोनों ने लोहे की रॉड से मारपीट कर उसे रस्सी से बांध दिया और दुकान की पहली मंजिल पर रख दिया। मारपीट के दौरान बेहोश होने के बाद उसे होश आया, तब में अस्पताल में था।

डुमरपानी में भालू का आतंक, पंचायत भवन और स्कूल के दरवाजे तोड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरोना

जंगल से भटककर आबादी क्षेत्र में पहुंचे जंगली भालू ने ग्राम पंचायत डुमरपानी में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। भोजन की तलाश में गांव के पंचायत भवन और प्राथमिक शाला में घुसे भालू ने दरवाजों और खिड़कियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। स्कूल के भोजनालय कक्ष को भी नुकसान पहुंचाया। गनीमत रही कि दशहरा पर्व के चलते स्कूल में छुट्टी थी, जिससे बच्चों की मौजूदगी नहीं होने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद से ग्रामीणों में भय का माहौल है और उन्होंने वन विभाग से गांव के आसपास गश्त बढ़ाने की मांग की है। जानकारी के अनुसार कांकेर जिले के नरहरपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत डुमरपानी में देर रात एक जंगली भालू भोजन की तलाश में आबादी क्षेत्र में पहुंच गया।

- भोजन की तलाश में आबादी के बीच पहुंचा जंगली भालू, ग्रामीणों में दहशत

बताया जा रहा है कि खाने की गंध के कारण भालू प्राथमिक शाला के भोजनालय कक्ष की ओर चला गया, जहां मध्यान्ह भोजन से संबंधित सामग्री रखी जाती है। भोजन तक पहुंचने की कोशिश में उसने दरवाजे और खिड़कियों को नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों के अनुसार भालू ने सबसे पहले पंचायत भवन के मुख्य दरवाजे का लॉक तोड़ा और अंदर घुसने का प्रयास किया। इसके बाद वह प्राथमिक शाला परिसर में पहुंचा और भोजनालय कक्ष के दरवाजे को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया।

दोनों भवनों के दरवाजों और खिड़कियों को हुए नुकसान का पता सुबह ग्रामीणों के पहुंचने पर चला। घटना से पंचायत भवन और स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते उचित कदम उठाए जाने जरूरी हैं, ताकि भालू के दोबारा गांव में प्रवेश करने से किसी तरह की जनहानि न हो।



ग्रामीण शाम होते ही घरों में दुबक रहे

भालू की दस्तक से गांव के लोग सहमे हुए हैं। ग्रामीणों को आशंका है कि भोजन की तलाश में भालू दोबारा आबादी क्षेत्र में आ सकता है। शाम ढलते ही लोग घरों के भीतर रहने लगे हैं और बच्चों को अकेले बाहर भेजने से बच रहे हैं। खेतों में आने-जाने वाले किसानों के बीच भी भय बना हुआ है। सरपंच टिकम करगा ने बताया कि भालू के डर से ग्रामीण शाम होते ही घरों में रहने को मजबूर हैं।

वन विभाग से सुरक्षा और मुआवजे की मांग

सरपंच टिकम करगा के अनुसार घटना की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। पंचायत और ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव के आसपास नियमित गश्त कराने, भालू की गतिविधियों पर नजर रखने तथा लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही पंचायत भवन और स्कूल में हुए नुकसान का मुआवजा देने की मांग भी उठाई गई है।

घरेलू विवाद के चलते महिला ने कीटनाशक का किया सेवन

कांकेर। चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम परसोदा में पति से विवाद के बाद एक महिला द्वारा कीटनाशक दवा का सेवन करने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डिगेश्वरी साहू का किसी बात को लेकर पति उमेन्द्र साहू से विवाद हो गया था। इसके बाद महिला ने कीटनाशक का सेवन कर लिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। सूचना मिलने पर महिला की बहन ने



112 वाहन की सहायता से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धनेलीकन्हार पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल कांकेर रेफर किया गया।

दुर्गा पंडालों में पहुंचे विधायक आशाराम, मां दुर्गा के दर्शन कर मांगा क्षेत्र की खुशहाली का आशीर्वाद

कांकेर। मां दुर्गा की भक्ति, आस्था और जयकारों से गूंजते दुर्गा पंडालों में मंगलवार 20 अक्टूबर को श्रद्धा का अनूठा नजारा देखने को मिला। कहीं मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाएं आकर्षण का केंद्र बनीं, तो कहीं आकर्षक विद्युत सज्जा और भक्तिमय वातावरण ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इसी आस्था और उत्साह के बीच विधायक आशाराम नेताम कांकेर



नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में पहुंचे और मां दुर्गा के दर्शन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। विधायक आशाराम नेताम ने मंगलवार 20 अक्टूबर को कांकेर नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में पहुंचकर विधि-विधान से मां दुर्गा के दर्शन किए तथा माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने मां दुर्गा के श्रीचरणों में क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। दुर्गा पंडालों में पहुंचने ▶▶| शेष पेज 08 पर

रियासतकीन समय से राजपरिवार विजयादशमी पर देवी देवताओं की पूजा कर करते हैं सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

शहर के पैलेस में देव पूजा व देव मिलन समारोह का आयोजन हुआ, जिसमे कई गांवो से देवी देवता पहुंचे। पैलेस को एक दिन के लिए आम जनता के लिए खोला गया था। पैलेस में पहुँची आमजनता ने राज महल में रखी सामग्रियो का अवलोकन किया। राज परिवार ने सभी देवी देवता का पूजन किया।

विजयदशमी के दिन देव पूजा व देव मिलन समारोह का आयोजन राजमहल में किया गया, जिसमें विजयदशमी के दिन 20 अक्टूबर की सुबह से दूरस्थ गांव से देवी देवता बाजा गाजा के साथ पहुंचना शुरू हो गए थे और सुबह 11 बजे तक देवी देवता, गायता, पुजारी, भगत, सिरहा के साथ पहुंचते रहे। विजय दशमी को दोपहर को राजपरिवार के सदस्यों के द्वारा पूजा



राजमहल में पहुँचे सभी देवताओं का पूजापाठ किया गया। बहीगांव, सोनकुवर, कोमालदेव, माकड़ी, अंजनी, लेंडारा, गढ़बासला, चेमल, गाड़ागौरी, बारदेवरी, पलेवा, सोनकुवर, भावगीर नवागांव से देवी देवता और कांकेर शहर के देवी मंदिर से आगा देव व अन्य देवता पहुंचे थे। सभी देवी देवताओ का महाराधिराज डॉ. आदित्य प्रताप देव सहित राजपरिवार के अश्वनी प्रताप देव व सभी सदस्यों ने पूजा विधि विधान से किया और पुजारी, भगत, गायता व सिरहा सहित अन्य लोगो का आदर सत्कार कर आवभगत किया गया। पैलेस में राजपुरोहित पंडित राकेश शर्मा ने पूजा करवाया। केशकाल क्षेत्र से लोक नृतक दल भी पहुंचा था, जिन्होने लोक पारंपारिक वाध यंत्र के धुन में लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर महराजाधिराज डा. आदित्य प्रताप देव ने कहा कि रियासताकीन समय में देवी देवताओ की पूजा कर सम्मान देने की परंपरा राजपरिवार की है, जो आज ▶▶| शेष पेज 08 पर

एसपी निखिल ने कहा शस्त्र केवल शक्ति नहीं, जनता की सुरक्षा का माध्यम

शस्त्रों की पूजा कर की सुरक्षा की कामना धर्म और न्याय की रक्षा का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

कांकेर जिले में विजयादशमी पर पुलिस लाइन सहित जिले के सभी थानों में परंपरानुसार शस्त्र पूजन किया गया। मंत्रोच्चार, आरती और विधि-विधान के साथ पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने अपने शस्त्रों की पूजा कर मां दुर्गा से जिले की शांति, समृद्धि और सुरक्षा की कामना की। इस दौरान शस्त्रों को केवल शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि जनता की रक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम मानते हुए अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण का संकल्प लिया गया। कांकेर जिला पुलिस लाइन में 20 अक्टूबर की सुबह से ही उत्सव का ▶▶| शेष पेज 08 पर





जनता की सुरक्षा के लिए हों शस्त्रों का उपयोग

पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक राखेचा ने विजयादशमी पर जिले के पुलिस अधिकारियों और जवानों को संदेश देते हुए कहा कि शस्त्र केवल आक्रमण के लिए नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा और समाज में शांति स्थापित करने के लिए होते हैं। विजयादशमी हमें सिखाती है कि शस्त्रों का उपयोग धर्म और न्याय की रक्षा के लिए ही किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस बल का उद्देश्य समाज में फैली बुराइयों, अपराध और आतंक का मुकाबला कर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। विजयादशमी का पर्व प्रत्येक पुलिसकर्मी को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और जनसेवा के संकल्प को मजबूत करने की प्रेरणा देता है।

जिले के सभी थानों में हुआ शस्त्र पूजन

जिले के कांकेर, नरहरपुर, चारामा, कोरर, भानुप्रतापपुर, दुर्गूकोंदल, अंतागढ़ सहित अन्य थाना परिसरों में भी सुबह 11 बजे शस्त्र पूजन किया गया। कांकेर कोतवाली में थाना प्रभारी जितेंद्र साहू के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने पूजा-अर्चना की। इस दौरान एसआई मनोरथ जोशी, रामेश्वर चतुर्वेदी, प्रधान आरक्षक सुरेश भुआर्य, महिला आरक्षक गणेश्वरी कोड़ोपी, कोमेश्वरी मानिकपुरी, समा ठाकुर, आरक्षक गजेंद्र नागवंशी, लीकेश्वर साहू सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

व्यापारी से वसूला गया 5 गुना मंडी टैक्स



जगदलपुर। सुकमा के व्यापारी ओम प्रकाश चांकड के वाहन क्रमांक सीजी18 एच 2163 बिना कागजात के परिवहन करते पाये जाने पर 5 गुना मंडी शुल्क 13800 कृषक कल्याण शुल्क 4600 निराश्रित शुल्क 368 समझौता शुल्क 12000 कुल राशि 30768 रूपये वसूली की कार्रवाई की गई। कृषि उपज मंडी के निरिक्षक विरेन्द्र दिल्लीवार, उपनिरिक्षक पिन्टू बघेल तथा प्रभाकर ने सूचना मिलने पर वाहन की जांच की और टैक्स वसूली की कार्रवाही की। मारेंगा के पास बिना नंबर प्लेट के वाहन से 200 पैकेट 80 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इसका अनुमानित मूल्य 1 लाख 84 हजार बताया गया है।

घर से बाइक पार, पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज



दरभा। स्थानीय थाना क्षेत्र के नेगानार में सोमवार की रात घर के बाहर खड़ी बाइक क्रमांक सीजी 17 केजेड 8387 की चोरी हो गई। दरभा थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार नेगानार निवासी महेश ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह अपनी बाइक घर के सामने खड़ी कर सोया था, सुबह जब उठा तो देखा की उसकी बाइक गायब थी। इसके बाद पीड़ित ने थाने में चोरों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से पता साजी की जा रही है।

विजयादशमी पर कोरर थाना में गूंजे मंत्र, विधि-विधान से हुई शस्त्र पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ धनेलीकन्हार

थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार मिश्रा सहित पुलिस स्टाफ ने की पूजा-अर्चना

बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व पर कोरर थाना परिसर में आस्था, परंपरा और कर्तव्यनिष्ठा का संगम देखने को मिला। पुलिस विभाग की वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार मिश्रा सहित पुलिस स्टाफ ने विधि-विधान से शस्त्र पूजा की। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने शस्त्रों की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और सुरक्षा बनाए रखने की कामना की।

विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजा का विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। यह पर्व जहां असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है, वहीं शस्त्र पूजा शक्ति, साहस, अनुशासन और कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रतीक भी मानी जाती है। पुलिस विभाग में इस परंपरा का निर्वहन करते हुए शस्त्रों की पूजा की जाती है और जनसेवा के दायित्वों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई जाती है। कोरर थाना परिसर में आयोजित पूजा के दौरान पुलिसकर्मियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार शस्त्रों का पूजन किया। इस अवसर पर पुलिस बल ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने संकल्प को दोहराया।



सुरक्षित और शांतिपूर्ण क्षेत्र के लिए पुलिस प्रतिबद्ध

थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार मिश्रा एवं पुलिस स्टाफ ने विजयादशमी के पावन पर्व पर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पुलिस विभाग की यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था को प्रदर्शित करती है, बल्कि अनुशासन, साहस और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भी संदेश देती है। शस्त्र पूजा के माध्यम से पुलिसकर्मियों ने यह संकल्प व्यक्त किया कि वे जनहित को सर्वोपरि रखते हुए क्षेत्र की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

गड़बड़ी : गुड़ाबेड़ा के खासपारा नाला में गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

मिट्टी मिली रेत-गिट्टी से बन रही थी पुलिया, ग्रामीणों ने रुकवाया निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोयलीबेड़ा

कोयलीबेड़ा के गुड़ाबेड़ा क्षेत्र में जिस पुलिया से 6-7 गांवों की जिंदगी की राह आसान होनी थी, उसी के निर्माण में गुणवत्ता से खिलवाड़ के आरोप लगने से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पुलिया में मिट्टी मिली रेत और गुणवत्ताहीन गिट्टी के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने निर्माण कार्य बंद करा दिया।

- जांच टीम गठित करने और दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि निर्माण की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ और दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो एक सप्ताह के भीतर जिला मुख्यालय कांकेर पहुंचकर कलेक्टर से शिकायत करेंगे। ग्रामीणों के अनुसार गुड़ाबेड़ा पंचायत के खासपारा नाला में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रही पुलिया के निर्माण में गांव के ही कुछ मजदूर दिहाड़ी पर काम कर रहे थे।

इसी दौरान एक मजदूर ने कथित तौर पर रेत और गिट्टी में मिट्टी मिली होने तथा मसाले में सीमेंट की मात्रा कम होने की बात देखी। उसने इसकी जानकारी गांव के प्रमुख लोगों और सरपंच को दी। शिकायत के बाद सरपंच दीपक आंचले, उपसरपंच, पंचगण और ग्रामीण निर्माण स्थल पर पहुंचे। वहां सामग्री का निरीक्षण करने पर ग्रामीणों ने मिट्टी मिली रेत और धूल-मिट्टी से सनी गिट्टी मिलने का दावा किया।

ग्रामीणों ने ताजा बने लेंटर और पिलर की मजबूती पर भी सवाल उठाए। ग्रामीणों के मुताबिक यह पुलिया गुड़ाबेड़ा सहित छोटे टोले, बड़े टोले और आसपास के करीब 6-7 गांवों के लिए महत्वपूर्ण है। इसी रास्ते से लोग कोयलीबेड़ा बाजार, स्कूल, अस्पताल, बैंक और तहसील पहुंचते हैं। बरसात में नाले में 6 से 8 फीट तक पानी बहने से आवागमन बाधित हो जाता है। ऐसे में पुलिया की मजबूती और गुणवत्ता ग्रामीणों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है।



सरपंच ने रुकवाया काम, जांच की मांग

निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर नाराजगी जताते हुए सरपंच और ग्रामीणों ने तत्काल काम बंद करा दिया। सरपंच दीपक आचले ने स्पष्ट किया कि जब तक वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच नहीं करते और गुणवत्तायुक्त सामग्री से निर्माण सुनिश्चित नहीं होता, तब तक काम शुरू नहीं होने दिया जाएगा। ग्रामीणों ने सामग्री के नमूने लेकर तकनीकी जांच कराने, जिम्मेदार ठेकेदार पर जुर्माना लगाने और दोष सिद्ध होने पर लाइसेंस रद्द करने की मांग की है।

कलेक्टर से करेंगे शिकायत

ग्रामीण बीरेंद्र कुलदीप और नोहार उसेंडी ने आरोप लगाया कि यदि मजदूर ने समय रहते मामला उजागर नहीं किया होता, तो घटिया सामग्री से निर्माण जारी रह सकता था। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है और ठेकेदार स्वयं नियमित रूप से मौके पर नहीं पहुंचता। ग्रामीणों ने कहा कि कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और पीएमजीएसवाई के कार्यपालन अभियंता को शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच और गुणवत्तापूर्ण पुलिया निर्माण की मांग की जाएगी।

दुर्गूकोंदल में धूमधाम से निकली मां दुर्गा की विसर्जन शोभायात्रा



हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

विजयादशमी के अवसर पर दुर्गूकोंदल नगर में नवज्योत मां दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। समिति द्वारा लगातार 31वें वर्ष नवरात्र उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर निकली भव्य शोभायात्रा में श्रद्धालु शामिल हुए। वहीं, हाहाल्द्दी स्थित पल्लामारी पहाड़ावली बंजारी माता मंदिर में 635 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए। मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमा के साथ शोभायात्रा बस स्टैंड, बाजार चौक, आवासपारा, थाना पारा, मेन रोड, खुटगांव, जनपद कार्यालय और आरईएस कॉलोनी सहित नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों और माता के जयकारों से नगर भक्तिमय हो उठा। इसके बाद ऊपरपारा तालाब में प्रतिमा का विसर्जन किया गया। पंडित लक्की त्रिवेदी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। समिति अध्यक्ष सोमल जैन ने बताया कि आयोजन लगातार 31वें वर्ष नगरवासियों के सहयोग से संपन्न हुआ। उन्होंने समिति सदस्यों, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। हाहाल्द्दी स्थित बंजारी माता मंदिर में 635 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। पंडित तामेश्वर प्रसाद तिवारी ने धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। मंदिर समिति के सदस्यों और ग्रामीणों ने आयोजन में सहयोग दिया। दोनों आयोजनों ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में सचिव नरेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष अमित कनोजिया, ग्राम गायता मानु राम दुग्गा, ग्राम पटेल लालजी राम दुग्गा, व्यापारी संघ अध्यक्ष बालमुकुंद सिन्हा, सरपंच शकुंतला नरेटी, उपसरपंच तामेश्वरी जैन सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

चारामा में धूमधाम से मनाया गया 56 वां शारदीय नवरात्रि महोत्सव



हरिभूमि न्यूज ⏭ चारामा

नगर में श्री श्री नवदुर्गा सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित 56वां शारदीय नवरात्र महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। 11 से 19 अक्टूबर तक चले इस महोत्सव के दौरान नगर में नौ दिनों तक भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

महोत्सव के समापन अवसर पर 19 अक्टूबर को विधि-विधान के साथ हवन-पूजन संपन्न कराया गया। इसके बाद मंगलवार, 20 अक्टूबर को मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन नगर के हृदय स्थल स्थित डबरी तालाब में किया गया।

इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और नम आंखों से माता को विदाई दी। शारदीय नवरात्र के दौरान नगर में धार्मिक उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा की आराधना की। नौ दिनों तक चले इस आयोजन में धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया गया। महोत्सव के अंतिम चरण में हवन-पूजन के बाद प्रतिमा विसर्जन की प्रक्रिया संपन्न हुई।

मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने माता के जयकारे लगाए और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। विसर्जन कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी, सदस्य, नगरवासी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। डबरी तालाब में प्रतिमा विसर्जन के साथ ही चारामा का 56वां शारदीय नवरात्र महोत्सव संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष मां दुर्गा के पुनः आगमन की कामना की।

चुनरी यात्रा में कलेक्टर की धर्मपत्नी ने मां दुर्गा को अर्पित की चुनरी

पखांजूर। शारदीय नवरात्र की नवमी पर पखांजूर में आस्था, भक्ति और सांस्कृतिक परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला। धर्म जागरण के प्रांतीय प्रमुख राजकुमार चंद्रानी के मार्गदर्शन एवं संभाग प्रमुख मोनिका साहा के नेतृत्व में चुनरी यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चुनरी यात्रा पीवी 116 स्थित बसंती मंदिर से प्रारंभ होकर माता के जयकारों के साथ पुराना बाजार स्थित दुर्गा मंदिर पहुंची। पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए यात्रा में सहभागिता निभाई। यात्रा का स्वागत कलेक्टर कुंदन कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी ने किया। इस अवसर पर कलेक्टर की पत्नी ने क्षेत्र की महिलाओं के साथ मां दुर्गा को चुनरी अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। उन्होंने जिले की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कलेक्टर कुंदन कुमार बंगाली पारंपरिक वेशभूषा धोती-कुर्ता में नगर के विभिन्न दुर्गा पंडालों में पहुंचे और मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया। वहीं उनकी धर्मपत्नी ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए ढाक बजाया और पारंपरिक धुनुची नृत्य प्रस्तुत किया। उनकी सहभागिता ने उत्सव के माहौल को और खास बना दिया। इस अवसर पर अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी, नारायण साहा, मोनिका साहा, स्वामी नित्यानंद महाराज, भाजपा कार्यकर्ता और श्रद्धालु के अलावा आयोजन को सफल बनाने में दीपाली मंडल, कमला साना, मंजू सरदार, दीप्ति साहा सहित क्षेत्र की महिलाओं एवं कार्यकर्ताओं का योगदान रहा।



अन्य पिछड़ा वर्ग समाज ने मनाया स्थापना दिवस कोरर में महाविद्यालय और सामाजिक भवन की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरर



छत्तीसगढ़ प्रदेश अन्य पिछड़ा वर्ग समाज परिक्षेत्र कोरर का स्थापना दिवस मंडी प्रांगण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं श्रीफल और पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक रामेश्वर जैन ने समाज की तीन प्रमुख मांगों पर प्रकाश डाला। सेवानिवृत्त शिक्षक बिहारी लाल यदु एवं लोचन प्रसाद भारद्वाज ने सामाजिक एकता बनाए रखने और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। परिक्षेत्र अध्यक्ष दयालु यादव ने कहा कि कोरर परिक्षेत्र में 52 गांव आते हैं, जहां अन्य पिछड़ा वर्ग समाज के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं। क्षेत्र में महाविद्यालय नहीं होने से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए 25 से 30 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। उन्होंने कोरर में महाविद्यालय खोलने के साथ सामाजिक गतिविधियों और बैठकों के लिए सामाजिक भवन निर्माण की मांग उठाई। समाज की प्रमुख मांगों को लेकर 27 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री को मांग पत्र सौंपा जाएगा और साथ ही शीतकालीन विधानसभा सत्र में मांगों को स्वीकृति दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने की स्थिति में विद्यार्थियों, पालकों और समाज के पदाधिकारियों के साथ व्यापक आंदोलन किया जाएगा। बैठक में संगठन की मजबूती, सामाजिक एकता और समाजहित के मुद्दों पर चर्चा कर एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर वेदप्रकाश सिन्हा, जिला संगठन मंत्री अलित सिन्हा, परिक्षेत्र सचिव हरिराम साहू, परिक्षेत्र संरक्षक द्वारिका प्रसाद साहू, कोषाध्यक्ष हुकुमचंद साहू, रामसिंह धनकर सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ट्रक में मिला 300 क्विंटल मक्का, ट्रक सहित उपज जब्त

जगदलपुर। कृषि उपज मंडी समिति कोंडागांव के निरीक्षण दल ने रविवार की रात बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 क्विंटल मक्का का अवैध परिवहन पकड़ा है। जानकारी के अनुसार रविवार रात लगभग 8.50 बजे कोंडागांव से उमरकोट मार्ग पर ग्राम अनतपुर के पास निरीक्षण दल ने ट्रक क्रमांक ओडी 24 डी 2505 को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान वाहन में अधिसूचित कृषि उपज मक्का के 600 पैकेट मिले, जिनका कुल वजन 300 क्विंटल था। उपज का अवैध परिवहन किए जाने की पुष्टि होने पर निरीक्षण दल ने मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मक्का सहित ट्रक को जब्त कर लिया।

मावली मंदिर में गौ सेवकों ने किया शस्त्र पूजन

जगदलपुर। गौ सेवकों के तत्वावधान में मंगलवार को मावली माता मंदिर में शस्त्र पूजन हुआ। कार्यक्रम में सांसद महेश कश्यप, रजनीश पानीग्राही व प्रकाश झा शामिल हुए। पूजन कार्यक्रम विधि विधान के साथ किया गया। आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, शौर्य परंपरा, धर्मरक्षा तथा गौ सेवा के प्रति जनजागरण को प्रोत्साहित करना रहा। सांसद ने कहा कि शस्त्र पूजन हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। शस्त्र केवल शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि अन्याय के प्रतिकार, निर्बलों की रक्षा और धर्म की मर्यादा बनाए रखने के संकल्प का भी प्रतीक है। हमारी संस्कृति हमें शक्ति के साथ संयम, साहस के साथ विवेक और सामर्थ्य के साथ सेवा का भाव सिखाती है। उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा और रक्षा भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखती है। गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और जीवमात्र के प्रति दायित्व का प्रतीक भी है। समाज के युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत,धार्मिक परंपराओं और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

अष्टमी-नवमी पर मेडिकल टीम ने लगाया प्राथमिक चिकित्सा शिविर

बंजारी माता मंदिर में हुआ भंडारा सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल



आस्था, सेवा और समर्पण की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोयल ग्रुप के श्री बजरंग आयरन ओर माइंस प्रबंधन द्वारा हाहालद्दी स्थित पल्लामारी पहाड़ावली बंजारी माता मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया। चैत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर आयोजित इस भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ सेवा और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया। गौरतलब है कि बंजारी माता मंदिर, हाहालद्दी में चैत्र नवरात्र के नौ दिनों तक भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। नवरात्र के पूरे पर्व में गोयल ग्रुप की ओर से माता को भोग-प्रसाद अर्पित किया गया। नवमी एवं दशहरा पर्व के अवसर पर गोयल ग्रुप द्वारा प्रत्येक नवरात्र में नवमी के अवसर पर भंडारा आयोजित करने की परंपरा कई वर्षों से निभाई जा रही है।

इस वर्ष भी माइंस प्रबंधन ने परंपरा को जारी रखते हुए श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की। माता के दर्शन के लिए पहुंचे भक्तों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में गोयल ग्रुप के कर्मचारियों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई और व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में सहयोग किया। मंदिर समिति की ओर से अनिल सिन्हा, मोहन सिन्हा, प्रवीण सिन्हा और भूपेंद्र सिन्हा ने आयोजन की व्यवस्थाओं में विशेष योगदान दिया।

पेज 07 के शेष...

शस्त्रों की पूजा कर ...

माहौल रहा। परिसर को सजाया गया और पूजा स्थल पर फूलों की आकर्षक सजावट की गई। पूजन से पहले आधुनिक राइफल, पिस्तौल, स्टेनगन, इंसास राइफल, एलएमजी, कार्बाइन, वायरलेस सेट तथा दंगा नियंत्रण उपकरणों को साफ-सुथरा कर व्यवस्थित ढंग से रखा गया। स्थानीय पंडित ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। मंत्रोच्चार के बीच शस्त्रों का पूजन और आरती की गई। नारियल फोड़कर शस्त्रों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। एसडीओपी कांकेर हरीश पाटिल, डीएसपी विंकेश्वरी पिंदे, जिला सेनानी संजय शर्मा, रक्षित निरीक्षक गोविन्द वर्मा, यातायात प्रभारी दीपक साव सहित पुलिस लाइन के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

रियासताकीन समय से ...

भी कायम है। यह परंपरा हमेशा कायम रहेगी। इस अवसर पर शिक्षक केएन गजबल्ला ने कांकेर पैलेस के साथ राजपरिवार के संबध में ऐतिहासिक जानकारी से आम जनता को अवगत करवाया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए।

दुर्गा पंडालों में पहुंचे ...

पर उन्हें श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण देखने को मिला। नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। पंडालों की भव्य सजावट, रंग-बिरंगी रोशनी और धार्मिक माहौल के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता रानी के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। मां दुर्गा के जयकारों से वातावरण गुंजायमान हो रहा है और पूरा नगर भक्तिरस में डूबा नजर आ रहा है। इस अवसर पर विधायक नेताम ने समस्त क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने माता रानी से प्रार्थना की कि उनकी कृपा सभी पर सदैव बनी रहे तथा प्रत्येक परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वास हो। धार्मिक आस्था और सामाजिक सहभागिता के इस अवसर पर दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। मां दुर्गा की आराधना के साथ नगर में पर्व का उल्लास और भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

भुसकी में गांव के ...

उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों सहित कृषि, व्यवसाय, कला और खेलकूद के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। गांव के सबसे उम्रदराज बुजुर्गों का भी सम्मान होगा।

खबर संक्षेप

गढ़िया में नए आंगनवाड़ी भवन निर्माण का भूमिपूजन



जगदलपुर। लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के ग्राम पंचायत गढ़िया के में आज सरपंच भरत कश्यप ने पूजा अर्चना के साथ मासापारा में नए आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु भूमिपूजन कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्षों से आंगनवाड़ी भवन की जरूरत रही जो आज पूरे होने जा रही है। सरकार विकास के लिए संकल्पित है। इस दौरान उपसरपंच संतुराम, पीलूराम बघेल, निरंजना बघेल,चेतन ग्वाल,लखन कश्यप,सामनाथ ,राजेश कश्यप, अर्जुन यादव,ढोल मौर्य,चीतू सहित गांव के पुजारी,कोटवार एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

बस्तर थाने में विजयादशमी पर शस्त्र पूजन



बस्तर। विजयादशमी के अवसर पर बस्तर थाना परिसर में शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। इस दौरान उप निरीक्षक अरुण सिन्हा सहित पूरे थाना स्टाफ ने विधि-विधान से शस्त्रों का पूजन किया। परंपरा के अनुसार विजयादशमी पर शस्त्रों की पूजा कर शक्ति और सुरक्षा की कामना की गई। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने शस्त्रों पर तिलक लगाकर पुष्प अर्पित किए और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प लिया। थाना परिसर में पूजा के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। सभी ने एक-दूसरे को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। शस्त्र पूजन के बाद प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर थाना स्टाफ ने कहा कि शस्त्र पूजन का उद्देश्य बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और यह हमें कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

निधन

जयदेव ठाकुर



जगदलपुर। शहर के लालबहादुर शास्त्री वार्ड में सोढ़ी पेट्रोल पंप के सामने निवासी समाचार पत्र वितरक जयदेव ठाकुर का सोमवार 19 अक्टूबर को रायपुर स्थित ए स ए म सी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से परिचितों और समाचार पत्र जगत में शोक की लहर है। हंसमुख और मिलनसार स्वभाव के जयदेव ठाकुर को 5 दिन पहले 14 अक्टूबर बुधवार को घर पर सुबह लगभग 6 बजे हृदयाघात हुआ था। इसके बाद उन्हें जगदलपुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए रायपुर भेजा था। वहां तीन दिनों तक उपचार के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। मंगलवार को उनके पार्थिव शरीर का गृहग्राम मारडूम क्षेत्र के बदरेंगा में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में परिजनों के साथ ग्रामीण भी शामिल हुए। वे अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए।

जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : एसपी

विजयादशमी पर पुलिस लाइन में हुई शस्त्र पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक विजयादशमी के पावन पर्व पर मंगलवार को पुलिस लाइन सुकमा में पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजा का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने शस्त्रों की पूजा-अर्चना कर जिले में शांति, सुरक्षा और खुशहाली की कामना की। इस दौरान

- पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की मौजूदगी में पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ आयोजन

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज तिर्की एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीष कुंवर सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और जवान उपस्थित रहे। धार्मिक आस्था, परंपरा और कर्तव्य के प्रति समर्पण के भाव के साथ संपन्न हुए इस आयोजन में पुलिस बल की सेवा भावना और अनुशासन का संदेश दिखाई दिया।





परंपरा, अनुशासन और कर्तव्य का संगम

विजयादशमी का पर्व भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। भगवान श्रीराम की रावण पर विजय और धर्म की अधर्म पर जीत का यह पर्व समाज को सत्य, सदाचार और न्याय के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश देता है। पुलिस विभाग में शस्त्र पूजा इसी सांस्कृतिक परंपरा को कर्तव्यबोध से जोड़ती है। यह अवसर पुलिसकर्मियों को याद दिलाता है कि उनकी शक्ति का वास्तविक उद्देश्य समाज में सुरक्षा, शांति और कानून के प्रति सम्मान स्थापित करना है। सुकमा जैसे संवेदनशील जिले में पुलिस की भूमिका शांति व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर नियंत्रण, नागरिकों की सुरक्षा और आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजन पुलिस बल में मनोबल, एकजुटता और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करने का संदेश देते हैं। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज तिर्की, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीष कुंवर सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न शस्त्र पूजा के अवसर पर पुलिस बल ने जनसेवा, अनुशासन और जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के संकल्प को दोहराया।

शस्त्र पूजा के साथ जनसेवा का संकल्प

विजयादशमी के अवसर पर शस्त्र पूजा पुलिस विभाग की महत्वपूर्ण परंपरा का हिस्सा है। इस दिन शस्त्रों की पूजा कर पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा, साहस, अनुशासन और जिम्मेदारी का संकल्प दोहराते हैं। पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने विधिवत पूजा-अर्चना की और जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ पुलिस बल के अधिकारियों एवं जवानों की सुरक्षा तथा सुख-समृद्धि की कामना की। पुलिस के लिए शस्त्र केवल सुरक्षा का साधन नहीं, बल्कि कानून की रक्षा और नागरिकों को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी का प्रतीक भी हैं। शस्त्र पूजा की परंपरा इसी दायित्व का स्मरण कराती है कि शक्ति का उपयोग सदैव कानून, न्याय और जनहित की रक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

पुलिस अधीक्षक मयंक गुर्जर ने विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजयादशमी हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। पुलिस विभाग में शस्त्र पूजा की परंपरा भी इसी भावना से जुड़ी है। यह हमें अपने कर्तव्यों, अनुशासन और जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि "सुकमा पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा, जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लोगों के बीच विश्वास का वातावरण मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस का दायित्व केवल अपराधों पर नियंत्रण रखना ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों को सुरक्षित महसूस कराना और जरूरत के समय उनकी सहायता के लिए तत्पर रहना भी है। सभी अधिकारी एवं जवान पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, यही हमारी प्राथमिकता है।एसपी ने पुलिस बल के सभी अधिकारियों एवं जवानों के अच्छे स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास, आपसी समन्वय और अनुशासित कार्यप्रणाली से ही जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरा जा सकता है।

विदेशी पर्यटक पर चढ़ा बस्तर की लोककला का जादू

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर की समृद्ध जनजातीय शिल्पकला और अनूठी सांस्कृतिक विरासत अब सात समंदर पार के सैलानियों को भी अपना मुरीद बना रही है। आमचो बस्तर टूरिज्म पहल के तहत संचालित 'बस्तर कला एवं हस्तशिल्प - बस्तर कला गुड़ी

- कला गुड़ी एक्सपीरियंस जोन में हस्तशिल्प देख हुए मुग्ध



एक्सपीरियंस जोन' में आज एक विदेशी पर्यटक ने भ्रमण कर स्थानीय शिल्पकारों की अद्भुत प्रतिभा का दीदार किया। भ्रमण के दौरान विदेशी मेहमान ने बस्तर की विश्वप्रसिद्ध प्राचीन ढोकरा आर्ट, काष्ठ शिल्प, बांस कला और रॉट आयरन से सजी आकर्षक कृतियों का बेहद बारीकी से अवलोकन किया। इन हस्तनिर्मित कलाकृतियों में रची-बसी पारंपरिक कारीगरी को देखकर वे खासे प्रभावित हुए और उन्होंने इस कला की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए 'थम्स-अप' के साथ अपनी खुशी और संतुष्टि जाहिर की।कला की सुंदरता से प्रभावित होकर विदेशी पर्यटक ने न केवल स्थानीय शिल्पकला की बारीकियों को समझा, बल्कि बस्तर के हुनर को स्मृति-चिह्न के तौर पर साथ ले जाने के लिए अनुवेद ब्रांड के तहत तैयार बस्तर आर्ट उत्पादों की जमकर खरीदारी भी की। उल्लेखनीय है कि बस्तर कला गुड़ी परिसर का विकास राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी शिल्पकारों के उत्कृष्ट उत्पादों को एक व्यवस्थित मंच और सीधा बाजार उपलब्ध कराना है। इस व्यवस्था से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हो रही है और देश-विदेश से आने वाले पर्यटक सीधे शिल्पकारों से जुड़ पा रहे हैं, जिससे ग्रामीण महिला कलाकारों को उनकी मेहनत का उचित और सीधा पारिश्रमिक मिल रहा है। भ्रमण के समापन पर विदेशी मेहमान ने कला गुड़ी की टीम और स्व-सहायता समूह की दीदियों के साथ यादगार ग्रुप फोटो भी खिंचवाई, जिससे पूरा परिसर उत्साह और गर्व के माहौल से सराबोर रहा।

जमीनी हक और बुनियादी सुविधाओं के लिए बस्तरिया राज मोर्चा लामबंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा

विधानसभा क्षेत्र में जमीन के हक व मूलभूत सुविधाओं को लेकर बस्तरिया राज मोर्चा के बैनर तले बड़े पैदल मार्च की तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में सुकमा जिले के ग्राम

- गंगलेर की विशाल आमसभा में उमड़े हजारों ग्रामीण, वन विभाग की कार्रवाई पर जताया आक्रोश



पंचायत गंगलेर में एक विशाल आमसभा आयोजित की गई, जिसमें गंगलेर, सिंगाराम, गोल्लापल्ली, माराईगुड़ा और किस्टाराम पंचायतों के हजारों ग्रामीण शामिल हुए। आमसभा में ग्रामीणों ने वन विभाग द्वारा पुश्तैनी जमीन पर बिना पंचायत की अनुमति के कराए जा रहे सीपीटी कार्य और रेल लाइन के कारण खेतों के खराब होने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। मोर्चा के संयोजक मनीष कुंजाम ने स्थानीय भाषा में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हजारों परिवार अंधेरे में जीवन-यापन कर रहे हैं। यहां के किसान कपास की खेती कर रहे हैं जिसके लिए बिजली जरूरी है। उन्होंने प्रशासन को छह माह की चेतावनी देते हुए इन समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की। सभा में पोलावरम परियोजना से प्रभावित 18 गांवों के विस्थापन व पुनर्वास, फसलों के नुकसान पर सूखा राहत न मिलने पर चक्काजाम की चेतावनी और अंदरूनी क्षेत्रों में शिक्षा-स्वास्थ्य की बदहाली का मुद्दा उठाया गया। इस अवसर पर भीमा, रावना राव, जनपद उपाध्यक्ष मड़वी हिड़मा, राजेश नाग, इरफान खान, लीना ओयामी सहित सरपंच, पटेल, पेरमा और आंचल कमेटी के पदाधिकारी व ग्रामीण भारी संख्या में मौजूद रहे।

बिजनेस साइट

एल जी बेस्ट शॉप 'वाहेगुरु स्मार्टटेक साल्यूशन्स' का हुआ शुभारंभ



जगदलपुर। शहर के गीदम रोड पर एल जी बेस्ट शॉप 'वाहेगुरु स्मार्टटेक साल्यूशन्स' का मंगलवार को भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एलजी रीजनल ऑफिस रायपुर के ब्रांच मैनेजर प्रशांत जैन एवं टेरटरी मैनेजर सरदार जसपाल सिंह ने रिब्बन काटकर शो रूम का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ व्यवसाई पुखराज बोथरा, वाहेगुरू होण्डा के डायरेक्टर जितेन्द्र पाल सिंह अहलूवालिया, चेम्बर के पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्य व्यापारी बड़ी संख्या मे मौजूद थे।

संस्था की प्रॉपराइटर गीत अहलुवालिया ने बताया की अब ग्राहकों को एक ही छत के निचे एलजी के सारे प्रोडक्ट रजिनेबल रेट्स पर उपलब्ध होंगे। यह एलजी कंपनी के अधिकृत ब्रांड स्टोर और शोरूम हैं, जहां एलजी के सभी प्रकार के घरेलू उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद मिलते हैं। मुख्य उत्पादों मे स्मार्ट एलईडी और ओ एलइडी टीवी, होम थिएटर व साउंडबार,रेफ्रिजरेटर (सिंगल डोर, डबल डोर, फ्रेंच डोर), वाशिंग मशीन (एआई वॉश, फ्रंट लोड और टॉप लोड), एयर कंडीशनर (डुअल कूल इन्वर्टर एसी), माइक्रोवेव ओवन, डिशवॉशर और वाटर प्यूरीफायर की विशाल रेंज मिलेगी।

सीआरपीएफ वाहिनी में नवमी पर शस्त्र पूजन, कन्याओं को कराया भोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा

नवरात्रि उत्सव के पावन अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 217वीं वाहिनी, कोंटा के सर्वधर्म प्रार्थना स्थल स्थित मंदिर परिसर में कमांडेंट विजय शंकर वाहिनी के अधिकारियों एवं जवानों द्वारा

- कमांडेंट सहित अधिकारियों और जवानों ने मां दुर्गा की आराधना कर मांगी सुख-समृद्धि



नवमी, शस्त्र पूजन एवं मां दुर्गा की श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों ने माँ दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति, शक्ति एवं सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने की प्रार्थना की। इस धार्मिक अवसर ने जवानों के बीच आध्यात्मिक चेतना, आपसी सौहार्द, एकता एवं भाईचारे की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया तथा 217वीं वाहिनी परिसर में शस्त्रों की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य घर-परिवार से दूर निवासरत जवानों द्वारा भक्तिमय वातावरण में विधि-विधान से पूजा संपन्न करना एवं शस्त्रों के प्रति सम्मान और प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना था। मंदिर परिसर में विधि-विधान एवं श्रद्धा-भाव के साथ 11 कन्याओं को कमांडेंट विजय शंकर उनके परिवार अधिकारियों एवं सभी कार्मिकों द्वारा पूजन किया गया तथा उन्हें भोजन व प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही भेंट स्वरूप विभिन्न सामग्री भी दी गई।

219वीं बटालियन ने 15वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्टा



सीआरपीएफ 219 वीं बटालियन ने कोन्टा ब्लॉक के इंजराम स्थित अपने मुख्यालय में अपना 15वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कर्मवीर सिंह यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, कमाण्डेंट एओएल सहित उपस्थित राजपत्रित अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं बल के सभी कार्मिकों द्वारा वीर शहीदों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन अर्पित किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा क्वार्टर गार्ड में सलामी ली गई । बटालियन मुख्यालय में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ने सम्मेलन में उपस्थित जवानों को संबोधित करते हुए 219वीं बटालियन के गौरवशाली इतिहास एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा सभी अधिकारियों एवं जवानों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने परिचालन क्षेत्र में आने वाली संभावित चुनौतियों एवं समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्थापना दिवस के अवसर पर बटालियन मुख्यालय के साथ-साथ सभी कम्पनियों में भी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सर्वाधिक रिव्यू के साथ दंतेश्वरी कोसा बनी विश्व की टॉप गूगल रेटिंग वाली संस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहर के जाने माने कोसा वस्त्रों के शोरूम दंतेश्वरी कोसा को गूगल पर 5 में से 5 स्टार की रेटिंग मिली है और 4 हजार से अधिक लोगों ने इसकी समीक्षा की है। यह दुकान 1994 से संचालित है जो अब विश्व मे सर्वाधिक रेटिंग प्राप्त करने वाली संस्था बन चुकी है। इस संस्था के डायरेक्टर नारायण देवांगन है। हरिभूमि के साथ हुई चर्चा में उन्होंने बताया की यह उनका पैतृक व्यवसाय है। मूलतः ग्राम अंगोदा, जांजगीर चांपा जिला मे उनका परिवार पिछली तीन पीढ़ीयों से इस व्यवसाय से जुडा हुआ है। जिनका मूल काम कोसा से धागा निकालना और वस्त्र बनाना है। अपनी हायर सेकण्डरी की शिक्षा बस्तर से और स्नातकोत्तर बिलासपुर यूनिवर्सिटी से करने के बाद नारायण ने भी इसी व्यवसाय को आगे बढ़ाने की सोची। अब दंतेश्वरी कोसा के शहर मे तीन स्वयं के शोरूम संतोषी वार्ड, कुम्हारपारा और झंकार चौक मे स्थापित है। जहां ग्राहकों की मांग के अनुरूप बेस्ट क्वालिटी के कोसा के शर्ट, कुर्ता, सलवार सूट, शॉल व साडियों विशाल रेंज उपलब्ध है। छत्तीसगढ़ के साथ साथ अब अन्य राज्यों से भी लोग कोसा से बने वस्त्रों की ऑनलाइन खरीदी करने लगे है। दंतेश्वरी कोसा और बस्तर का नाम गूगल के माध्यम से पुरे विश्व मे प्रसिद्ध हुआ है इसका पूरा श्रेय वे अपने सम्माननीय ग्राहकों को देते है।



सफलता का सफर



उन्होंने दंतेश्वरी कोसा का पहला शोरूम 2 फरवरी 1994 को मिलन होटल के सामने किराये की दूकान मे शुरू की। उस समय केवल सरकारी कोसा सेंटर मे ही कोसा के वस्त्र उपलब्ध होते थे। बस्तर काशीदाकारी, बस्तर बुनाई और बस्तर प्रिंट के साथ उन्होंने अपने उत्पादों से ग्राहकों का दिल जीत लिया और बस्तर का कोसा छत्तीसगढ़ की खास पहचान और प्रसिद्ध प्राकृतिक रेशम (टसर सिल्क) को लोग पसंद करने लगे। श्री देवांगन का पूरा परिवार व्यवसाय मे उनका साथ दे रहा है।







खबर संक्षेप



दशहरा अवकाश में भी जारी नवोदय कोचिंग

दुर्गूकोंदल। दशहरा अवकाश के दौरान भी विद्यार्थियों की पढ़ाई की निरंतरता बनाए रखने और उन्हें जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिए तैयार करने के उद्देश्य से संकुल केंद्र कोंडे में संकुल स्तरीय नवोदय कोचिंग कक्षाओं का नियमित संचालन किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वे प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकें। कोचिंग कक्षाओं में विद्यार्थियों को मानसिक योग्यता, अंकगणित, पर्यावरण अध्ययन एवं हिंदी विषयों की विशेष तैयारी कराई जा रही है। शिक्षकों द्वारा बच्चों की विषयगत कमजोरियों को पहचानकर उन्हें दूर करने, प्रश्नों को हल करने की तकनीक समझाने और अभ्यास के माध्यम से उनकी क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान कर उनमें आत्मविश्वास विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। आमतौर पर अवकाश के दौरान बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए संकुल केंद्र कोंडे द्वारा अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने की पहल की गई है, जिससे विद्यार्थियों का अध्ययन नियमित बना रहे और नवोदय प्रवेश परीक्षा की तैयारी में कोई बाधा न आए। प्राचार्य एवं संकुल प्राचार्य बाबूलाल कोमरे के मार्गदर्शन में यह पहल संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य केवल परीक्षा की तैयारी कराना नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उचित मार्गदर्शन देकर आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना भी है।

डीजे के बिना ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन, भक्तों में दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

नवरात्रि के बाद दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान कांकेर शहर में इस बार शांति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय का असर देखने को मिला। शहर की कई दुर्गा उत्सव समितियों ने डीजे के बजाय ढोल-नगाड़ों की धुन पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया। पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ निकली विसर्जन यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। हालांकि, अलबेलापारा तालाब में प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रेन समय पर नहीं पहुंचने के कारण समितियों को करीब एक से डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार शांति समिति की बैठक में विसर्जन के दौरान डीजे के स्थान पर ढोल-नगाड़ों का उपयोग करने का निर्णय लिया गया था। इसके अनुरूप शहर की कई समितियां मां दुर्गा की प्रतिमाओं के साथ ढोल-नगाड़ों की धुन पर अलबेलापारा तालाब पहुंचीं। श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्तिभाव के साथ माता के जयकारे लगाते हुए विसर्जन के लिए पहुंचे। पारंपरिक वाद्ययंत्रों के बीच विसर्जन का माहौल भक्तिमय बना रहा। समितियां शाम करीब 4 बजे तालाब पहुंच गई थीं, लेकिन उस समय तक प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था नहीं हो पाई थी। इसके चलते समितियों को इंतजार करना पड़ा। एक से डेढ़ घंटे तक क्रेन का इंतजार करने के कारण विसर्जन प्रक्रिया में देरी हुई। इससे मौके पर मौजूद समितियों के सदस्यों और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। क्रेन नहीं पहुंचने की जानकारी प्रशासन तक पहुंचने के बाद तत्काल व्यवस्था की गई। इसके बाद प्रतिमाओं के विसर्जन की प्रक्रिया आगे बढ़ सकी। इस दौरान समितियों ने शांति समिति के निर्णय के अनुरूप डीजे से दूरी बनाते हुए पारंपरिक ढोल-नगाड़ों के साथ विसर्जन किया।

शांति समिति के निर्णय का दिखा असर



दशहरा स्थल पर डटे रहे अधिकारी

दशहरा पर्व के आयोजन के चलते नगर पालिका के अधिकारी नरहरदेव दशहरा स्थल पर व्यवस्था संभालने में जुटे रहे। इसके कारण दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं में दिक्कत आई। अलबेलापारा प्रशासन को इसकी जानकारी मिलने के बाद नगर पालिका का निचले स्तर का अमला मौके पर पहुंचा। वहीं, एसडीएम क्रेन लेकर शाम करीब 6 बजे विसर्जन स्थल पहुंचीं। इसके बाद प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था आगे बढ़ सकी।

सुविधा : मुख्यमंत्री साय एवं केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिखाई हरी झंडी

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुंची रेल, बस्तर के विकास को मिली नई रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

दल्लीराजहरा-रावघाट रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत ताड़ोकी से रावघाट के बीच नवनिर्मित 17.5 किमी रेलखंड का उद्घाटन किया गया। इसके साथ रावघाट से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर तक रेलवे की सुविधा उपलब्ध हो गई हैं। आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुंचने से क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना साकार हुआ है। यह उपलब्धि केवल रेल लाइन के विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि बस्तर के दूरस्थ गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रायपुर से तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रेल सेवा का शुभारंभ किया, वहीं रावघाट में सांसद भोजराज एवं विधायक विक्रम देव उसेंडी ने भी रावघाट रेलवे स्टेशन से रावघाट-रायपुर मेमो पैसेंजर को हरी झंडी दिखाकर रायपुर के लिए रवाना किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर क्षेत्र के ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला।



1628 करोड़ की परियोजना से बढ़ेगा रेल नेटवर्क

दल्लीराजहरा-रावघाट के बीच लगभग 1,628 करोड़ की लागत से 95 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन परियोजना अंतर्गत ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेलखंड का निर्माण पूरा हुआ है। रावघाट से रायपुर के लिए मेमो पैसेंजर ट्रेन संख्या 68769 का परिचालन प्रातः 6:30 बजे रावघाट से प्रस्तावित समय-सारणी के अनुसार होगा। इस ट्रेन का सामान्य किराया रायपुर तक 55 बताया गया है।

सांसद एवं विधायक ने ग्रामीणों के साथ रावघाट से अंतागढ़ तक रेल यात्रा भी की। यात्रियों को इस अवसर पर निःशुल्क डेमो टिकट कार्ड प्रदान किए गए।

रावघाट तक रेल पहुंचने से अब दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों के लिए शहरों में जाकर पढ़ाई करना पहले की तुलना में आसान होगा। बेहतर आवागमन सुविधा मिलने से बच्चों को उच्च शिक्षा के अवसरों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही ग्रामीणों को इलाज के लिए बड़े अस्पतालों तक पहुंचने, जरूरी सामान खरीदने, रोजगार के अवसर तलाशने और व्यापारिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने में भी सुविधा होगी।

अब तक दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित परिवहन सुविधाओं के कारण क्षेत्र के लोगों को आवागमन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। रेल सेवा शुरू होने से समय और यात्रा खर्च में राहत मिलेगी। यह सुविधा विशेष रूप से विद्यार्थियों, मरीजों, श्रमिकों, किसानों और छोटे व्यापारियों के लिए लाभकारी साबित होगी। बस्तर अंचल में रेल सेवा का विस्तार क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

रावघाट से रायपुर मेमो पैसेंजर ट्रैन के शुभारम्भ अवसर पर प्रधान मुख्ययांत्रिकी इंजीनियर मनीष अग्रवाल, मुख्य महाप्रबंधक रावघाट अनूप बिष्ट, ईडी रावघाट अरुण कुमार, भावेश पाण्डे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यापालन अधिकारी हरेश मंडावी, मनोरमा मंडावी, लधु वनोपज संघ के अध्यक्ष रुपसाय सलाम, सरपंच प्यारेलाल उसेंडी, अंतागढ़ अपर कलेक्टर व एसडीएम गंगाधर वाहिले सहित कांकेर एवं नारायणपुर जिले के पंच सरपंच एवं ग्रामीण जन और जिला प्रशासन व रेलवे के अधिकारी मौजूद रहें।

भक्तिमय माहौल में माता रानी को दी गई विदाई, जयकारों से गूंजा कोयलीबेड़ा नगर



कोयलीबेड़ा। माता रानी के जयकारे, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्ति गीतों की मधुर धुन के बीच कोयलीबेड़ा में माता की प्रतिमा का विसर्जन धूमधाम से हुआ। विसर्जन यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। पूरा कोयलीबेड़ा भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से माता रानी को विदाई देते हुए अगले वर्ष फिर से आने की कामना की माता की प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजाकर बाजे-गाजे के साथ विसर्जन यात्रा निकाली गई। यात्रा में महिला, पुरुष, युवा और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। माता रानी के जयकारों से नगर का वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालु पूरे रास्ते भक्ति और उत्साह के साथ माता की आराधना करते रहे। विसर्जन यात्रा कोयलीबेड़ा के प्रमुख मार्गों से होते हुए निर्धारित विसर्जन स्थल तक पहुंची। यात्रा के दौरान जगह-जगह भक्तिमय माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने माता रानी से क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की। आयोजन में लोगों की आस्था और भक्ति का अनूठा संगम नजर आया। माता की विदाई के दौरान श्रद्धालु भावुक भी दिखाई दिए। भक्तों ने माता रानी से अगले वर्ष फिर आगमन की प्रार्थना करते हुए उन्हें विदाई दी। धार्मिक उत्साह के बीच प्रतिमा विसर्जन के साथ ही आयोजन का समापन हुआ। कोयलीबेड़ा नगर में हुआ विसर्जन कार्यक्रम श्रद्धालुओं के लिए आस्था और उल्लास से भरा यादगार अवसर बन गया। पूरे आयोजन के दौरान माता रानी के प्रति श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने कामना की कि माता रानी सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें तथा क्षेत्र में सदैव खुशहाली बनी रहे।

कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक के बैनर पर विवाद, तहसीलदार ने हटवाए पोस्टर

पखांजूर। अंतागढ़ के पूर्व विधायक अनूप नाग के बैनर-पोस्टरों को लेकर कांग्रेस में विवाद सामने आया है। पखांजूर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने आरोप लगाया है कि पार्टी से निष्कासित होने के बावजूद अनूप नाग के बैनरों में कांग्रेस के अधिकृत चुनाव चिह्न हाथ और वरिष्ठ नेताओं की तस्वीरों का अनधिकृत उपयोग किया जा रहा है। इस संबंध में एसडीएम पखांजूर को शिकायत सौंपी गई। इसके बाद तहसीलदार बांदे ने राजस्व अमले के साथ कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में लगे बैनर-पोस्टर हटवा दिए। जानकारी के अनुसार बांदे क्षेत्र में लगाए गए बैनरों में बांग्ला भाषा में नवरात्रि, दुर्गा पूजा, लक्ष्मी पूजा और काली पूजा की शुभकामनाएं दी गई थीं। बैनर पर पूर्व विधायक अनूप नाग का नाम और कांग्रेस का चुनाव चिह्न अंकित था। साथ ही सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की तस्वीरें भी लगाई गई थीं। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इंद्रजीत विश्वास ने आरोप लगाया कि अनूप नाग को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया गया है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत रूप से अपनी तस्वीर लगाने पर आपत्ति नहीं है,



लेकिन पार्टी से निष्कासित होने के बाद कांग्रेस के चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करना उचित नहीं है। उन्होंने इसे नियमों के विरुद्ध बताते हुए कार्रवाई की मांग की। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने 18 अक्टूबर को एसडीएम को दिए आवेदन में कहा कि निष्कासित व्यक्ति द्वारा पार्टी के चिह्न का उपयोग करने से पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। शिकायत में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैनरों को तत्काल हटाकर जब्त करने की मांग की गई। शिकायत पत्र पर पूर्व प्रत्याशी रूप सिंह पोटाई, ब्लॉक अध्यक्ष इंद्रजीत विश्वास, मंडल अध्यक्ष सहित दिलीप विश्वास, विधान विश्वास, निहार सरकार, विजय सरकार और अरुण मंडल समेत कुल 31 पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं। शिकायत के बाद तहसीलदार बांदे ने राजस्व अमले के साथ बांदे नगर सहित संबंधित क्षेत्र में अभियान चलाकर बैनर-पोस्टर हटवाए। इस कार्रवाई के बाद मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

360 परगना लोहत्तर में आस्था और परंपरा के साथ मनाया देव दशहरा उत्सव

दुर्गूकोंदल। कांकेर रियासत के ऐतिहासिक 360 परगना लोहत्तर में सोमवार को देव दशहरा उत्सव मनाया गया। इस पारंपरिक उत्सव में परगना क्षेत्र के 60 गांवों के ग्रामीणों ने सहभागिता निभाई। इस दौरान समाजजनों ने अपनी रीति-नीति का निर्वहन करते हुए देवी-देवताओं के समक्ष अर्जी-बिनती की और पूरे क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि, अच्छी फसल तथा खुशहाली की मंगलकामना की। बस्तर अंचल में देव दशहरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और सामूहिक एकजुटता का प्रतीक भी है। 360 परगना लोहत्तर में इस पर्व का विशेष ऐतिहासिक, सामाजिक और धार्मिक महत्व है। यहां ग्रामीण परंपरागत मान्यताओं के अनुसार देवी-देवताओं का स्मरण कर परिवारों की उन्नति । गढ़ लोहत्तर में आयोजित उत्सव के दौरान ग्रामीणों ने अपने पूर्वजों से मिली परंपराओं का पालन करते हुए सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संदेश दिया। 60 गांवों के लोगों की सहभागिता ने इस आयोजन की व्यापकता और सामाजिक महत्व को प्रदर्शित किया।





नई पीढ़ी तक पहुंचेगी सांस्कृतिक विरासत

आधुनिकता के दौर में देव दशहरा जैसे पारंपरिक आयोजन आदिवासी समाज की विशिष्ट पहचान को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे उत्सवों से नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों की रीति-नीति, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक व्यवस्था को समझने का अवसर मिलता है। साथ ही आपसी भाईचारे, सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत होती है।

समाज प्रमुखों और ग्रामीणों की रही सहभागिता

आयोजित कार्यक्रम में दीवान (राना) परिवार, परगना गायता पुरुषोत्तम देहारी, परगना मांझी रामसाय पुड़ो परिवार, तुलावी परिवार सहित कंवल दीवान, सगनू दीवान, देवलु देहारी, प्यारेलाल दीवान, हंसा राना, हरिशंकर पुड़ो, बिश्राम दुग्गा, सियाराम तुलावी, बैशाखु जाड़े, बारसु पुड़ो, दानसु दुग्गा, दुकालू राना, गजेश जाड़े, बहादुर तुलावी, मानिक कड़ियाम, अगन राना, बालगोविन्द राणा, रजमन कोवाची और प्रेम पुड़ो सहित 60 गांवों के प्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे।

भानुप्रतापपुर शराब कांड में अवैध बोतल व होलोग्राम उपलब्ध करवाने दो मास्टर माइंड गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

शराब की बोतलों पर लगाए जाने वाले होलोग्राम और स्टीकर उपलब्ध कराने के मामले में फरार चल रहे आरोपी पंकज गुप्ता और मनोज गुप्ता को भानुप्रतापपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस प्रकरण में पहले ही 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा जा चुका है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब के निर्माण, मिलावट और अनधिकृत पैकेजिंग से जुड़े नेटवर्क की जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन तथा एसडीओपी भानुप्रतापपुर शेर बहादुर सिंह ठाकुर के पर्यवेक्षण में जिले में अवैध शराब सहित अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 8 सितंबर ग्राम बसंत नगर, नारायणपुर में उत्तम देवनाथ के किराए के मकान में शराब की खाली बोतलें, पौवा, विभिन्न ब्रांडों के स्टीकर, होलोग्राम और ढक्कन रखे गए हैं। पुलिस टीम ने तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में उक्त सामग्री के साथ जम्मू स्पेशल व्हिस्की के 180 एमएल के 30 भरे पौवा बरामद किए थे। पुलिस ने सामग्री को जब्त कर मामले में अपराध क्रमांक 186/26 के तहत बीएनएस और छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं में जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पहले आठ आरोपियों और बाद में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया इसी मामले में।



होलोग्राम व बोतल उपलब्ध करवाने वाले पकड़ाए

पुलिस के अनुसार दबोचे गए आरोपी में 40 वर्षीय पंकज गुप्ता पिता निवासी हाल सेजबहार शराब की बोतलों पर लगाए जाने वाले होलोग्राम एवं स्टिकर उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता था। दूसरा दबोचे गए आरोपी में 49 वर्षीय मनोज गुप्ता पिता त्रिवेणीराम गुप्ता निवासी कुम्हारी माँ अन्नपूर्णा ट्रेडिंग कंपनी का संचालक है। आरोपी द्वारा पुरानी शराब की बोतलों को पुनः उपयोग के लिए तैयार कर संबंधित ब्रांड को बेचने का कार्य किया जाता था। पुरुषोतम गुप्ता की मांग पर आरोपी द्वारा शराब की फैक्ट्री को बोतलें भेजी जाती थीं। संबंधित फैक्ट्री को सीलबंद कर आवश्यक सामग्री जब्त की गई है।

अमोड़ा में नौ दिनों तक गूंजे माता के जसगीत शोभायात्रा के साथ दुर्गा प्रतिमा का हुआ विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

विकासखंड नरहरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोड़ा में शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर नवदुर्गा उत्सव समिति एवं ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में नौ दिनों तक दुर्गा उत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। नवरात्र के दौरान गांव में धार्मिक आस्था का माहौल बना रहा। पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान, जसगीत, रामधुनी और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों से पूरा गांव भक्तिमय रहा। मंगलवार को दसवें दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। नवरात्र पर्व के दौरान प्रतिदिन माता की पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जसगीत,



रामधुनी और अन्य भक्ति आयोजनों में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। नौ दिनों तक चले इस उत्सव में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना कर परिवार एवं गांव की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंगलवार 20 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के अवसर पर अमोड़ा में शोभायात्रा निकाली गई। इसमें महिला, पुरुष, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण में माता को विदाई देने के लिए शोभायात्रा के साथ चले। इसके पश्चात गांव के तालाब में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान गांव के देवी-देवताओं की डांग-डोली तथा सीरा-गुनिया सहित ग्रामीणों की उपस्थिति रही। माता की विदाई के अवसर पर श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष पुनः आगमन की कामना की। नवदुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह सुरोजिया ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्राम में दुर्गा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों का सहयोग रहा।

जनप्रतिनिधियों एवं समिति सदस्य रहे शामिल

दुर्गा विसर्जन कार्यक्रम में नवदुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष नारायण सुरोजिया, सचिव रोहित पटेल, कोषाध्यक्ष धारिणी साहू, ग्राम पंचायत अमोड़ा की सरपंच हजारी बाई गोटा, उपसरपंच लेखराम साहू, पूर्व सरपंच सुंदर सिंह गोटा, कंवल सिंह बघेल, नकुल पटेल, रामकुमार देहारी, द्वारिका साहू, अंजोर सिंह पटेल, पूर्णेश्वर साहू, नरेंद्र कौशिक, पुन्नू पटेल, कोटवार मुगेश नागेश सहित समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

चिल्हाटी में 23 से राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

कोरर। दशहरा एवं शरद पूर्णिमा के अवसर पर ग्राम चिल्हाटी कोरर में परम पूज्य पंडित देवीदास की स्मृति में 23 एवं 24 अक्टूबर को राज्य स्तरीय रात्रिकालीन कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 25 अक्टूबर 2026 को दोपहर 1 बजे होगा। प्रथम पुरस्कार 11,111 रुपये, द्वितीय 7,777 रुपये और तृतीय पुरस्कार 4,444 रुपये रखा गया है। इसी दिन रात 9:30 बजे दशहरा लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा, जिसमें छत्तीसगढ़ी लोक सांस्कृतिक कला मंच की गायिका छाया चंद्राकर लोक छाया की प्रस्तुति देंगी।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - घातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - ल्यूकोरिया, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

